एक नजर में

महू के सिमरोल क्षेत्र की तीन पटाखा इकाइयां सील

महू. देवास में पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके के बाद प्रशासन महू क्षेत्र में पूरी तरह सतर्क हो गया है. कलेक्टर के निर्देश पर रविवार को महू में बड़ी कार्रवाई की गई, जिसमें सिमरोल क्षेत्र की तीन पटाखा निर्माण इकाइयों को सील कर दिया गया. पुलिस अधीक्षक इंदौर ग्रामीण राजेंद्र कुमार वर्मा, एसडीएम महू राकेश परमार, डीएसपी हेड क्वार्टर उमाकांत चौधरी, थाना प्रभारी कुलदीप खत्री और तहसीलदार राधावल्लभ सहित पुलिस व प्रशासन की एक संयुक्त टीम ने सिमरोल और आसपास के इलाकों में संचालित पटाखा निर्माण इकाइयों का औचक निरीक्षण किया. जांच के दौरान, सिमरोल क्षेत्र के दतोदा और घोसीखेड़ा में संचालित दो सुतली बम निर्माण फटाका वर्क्स और एक गोदाम में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं. एक स्थान पर अवैध शेड बनाकर पटाखों का भंडारण किया जा रहा था, जो नियमों का उल्लंघन था. सुरक्षा व्यवस्था में भारी कमी और संभावित खतरे को देखते हुए, एसडीएम राकेश परमार ने तत्काल तीनों इकाइयों को सील करने का आदेश दिया.

पाइप लाइन नहीं, फाउंटेन लाइन बन गई नर्मदा योजना

महू. शहर इन दिनों दो चीजों के लिए मशहूर हो रहा है. एक, हर दूसरे दिन फूटती नर्मदा पाइप लाइन और दूसरा, उसे सुधारने के नाम पर किया जा रहा जुगाड़ विज्ञान.

हालत यह है कि पिछले दो माह के भीतर ही महज 1 किलोमीटर के दायरे में चार-चार जगह पाइप लाइन लीकेज हो चुकी है, जिससे सड़कें रोज नर्मदा स्नान कर रही हैं. जानकारी के मुताबिक, पोस्ट ऑफिस रोड पर पानी सड़क पर बह रहा है, जनपद पंचायत चौराहा और कलाली चौराहे पर खुदाई चल रही है और श्याम विलास चौराहे पर तो इंजीनियरिंग का ऐसा नमूना पेश किया गया है कि अच्छे-अच्छे तकनीकी संस्थान भी माथा पकड़ लें. यहां पाइप लाइन बार-बार फूटी तो जिम्मेदारों ने समाधान निकाला कि पत्थर रख दो... बस फिर सड़क के बीच बड़े-बड़े पत्थर पटक दिए गए और मान लिया गया कि अब नर्मदा भी डरकर सीधी बहने लगेगी. इधर, लोग भी कह रहे हैं कि जिस शहर में 50 साल से अधिक पुरानी पाइप लाइन से वर्तमान की आबादी को पानी पिलाने की कोशिश होगी, वहां पाइप कम और फव्वारे ज्यादा फूटेंगे ही. शहर में रोजाना हजारों लीटर नर्मदा जल बहकर बर्बाद हो रहा है. कई मोहल्लों में सप्लाई प्रभावित हो रही है, जबकि सड़कें तालाब बन रही हैं. लोगों का कहना है कि बार-बार लीकेज सुधार के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है.

अमित उपाध्याय बने तहसील अध्यक्ष, आकाश राठौर महासचिव

महू. भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ (नई दिल्ली) की मप्र इकाई द्वारा इंदौर जिले की कार्यकारिणी की घोषणा भव्य समारोह में की गई, जिसमें जिले के साथ-साथ

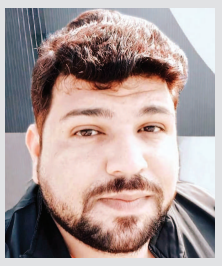

तहसीलों के पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गई. नवनियुक्त तहसील कार्यकारिणी में विनोद शर्मा को जिलाध्यक्ष और प्रवीण जैन को महासचिव नियुक्त किया गया है. उपाध्यक्ष अंकित राठौर, यत्नेश सेन, धर्मेंद्र सोलंकी, पूर्णिमा बीसे, सचिव जितेश पाठक, उदय सिंह चावड़ा, कमल चौधरी, संयुक्त सचिव महेश शर्मा (टोनी) नियुक्त किए गए. वहीं, महू तहसील अध्यक्ष पद पर युवा पत्रकार अमित उपाध्याय व महासचिव आकाश राठौर को नियुक्त किया गया. संयोजन आलोक शर्मा (अकेला), डॉ. पंकज विरमाल, नवनीत शुक्ला, ऋषिकांत श्रीवास्तव ने किया.

अन्नपूर्णा मंदिर पर भागवत के मूल पारायण का शुभारंभ

इंदौर. पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में शहर के पश्चिमी क्षेत्र स्थित प्रमुख आस्था केंद्र अन्नपूर्णा आश्रम मंदिर पर रविवार को सुबह आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरी महाराज के सानिध्य एवं आचार्य पं. कल्याणदत्त शास्त्री ने निर्देशन में 108 भागवत का मूल पारायण अनुष्ठान शुरू हो गया. मंदिर के संचालक स्वामी जयेंद्रानंद गिरी ने बताया कि यहाँ प्रतिदिन सुबह 9 से 12 बजे एवं दोपहर 3 से 6 बजे तक 108 विद्वानों द्वारा श्रीमद भागवत का मूल पारायण 15 जून तक जारी रहेगा. आश्रम ट्रस्ट, मंदिर संचालन समिति एवं भक्त मंडल के संयुक्त तत्वावधान में सम्पूर्ण अधिकमास के दौरान यह दिव्य अनुष्ठान होगा. इस दौरान प्रतिदिन माता अन्नपूर्णा, माता काली एवं माता सरस्वती का नित्य नूतन श्रृंगार भी होगा. मंदिर के न्यासी मंडल के प्रमुख विनोद अग्रवाल, टीकमचंद गर्ग, दिनेश मित्तल, पवन सिंघानिया, श्याम सिंघल एवं सत्यनारायण शर्मा भी शुभारंभ प्रसंग पर उपस्थित थे जिन्होंने शहर के आम भक्तों से इस दिव्य आयोजन का पुण्य लाभ उठाने का आग्रह किया. मंदिर पर मौसम को देखते हुए भक्तों की सुविधा के लिए छाया, बैठक, शीतल पेयजल, पूजा, अर्चना, दर्शन, वाहन पार्किंग आदि के समुचित प्रबंध किए गए हैं.

निरुपमा सुंदरराजन डीपीएमएसीआई की स्वतंत्र चेयरपर्सन नियुक्त

इंदौर. भारत की डिजिटल प्रेशियस मेटल्स इंडस्ट्री ने साथ मिलकर डिजिटल प्रेशियस मेटल्स एश्योरेंस काउंसिल ऑफ इंडिया (डीपीएमएसीआई) का गठन किया है. यह एक सेल्फ-रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन (एसआरओ) है, जिसका उद्देश्य भारत के डिजिटल मेटल इकोसिस्टम में पारदर्शिता, संचालन की विश्वसनीयता और कंज्यूमर प्रोटेक्शन सुनिश्चित करना है. एमएमटीसी-पीएएमपी, सेफ़गोल्ड, ऑगमोंट, गुल्लक और फोनपे जैसी अन्य प्रमुख कंपनियाँ इसकी सदस्य हैं. डिजिटल प्रेशियस मेटल इंडस्ट्री को एक नया आयाम देने के लिए, सार्वजनिक नीति की विशेषज्ञ सुश्री निरुपमा सुंदरराजन को डीपीएमएसीआई का स्वतंत्र चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है. उनके नेतृत्व में, यह ऑर्गनाइजेशन न केवल सख्त नियम लागू करेगा, बल्कि सरकार के साथ मिलकर एक पारदर्शी और कंज्यूमर-फ्रेंडली इकोसिस्टम भी तैयार करेगा. इस कदम से न सिर्फ कंज्यूमर्स का भरोसा बढ़ेगा, बल्कि यह इंडस्ट्री को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के साथ आगे बढ़ाने में मदद करेगा.

कलेक्टर ने विभिन्न योजनाओं पर दिए सख्त निर्देश

सीएम हेल्पलाइन, ई-केवाईसी, जल गंगा अभियान व आंगनवाड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिए

आलीराजपुर । कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर नीतू माथुर की अध्यक्षता में टी.एल. बैठक एवं अंतर्विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर माथुर ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को रैंकिंग में 'ए' ग्रेड प्राप्त करने के लिए गंभीरता से कार्य करने, साथ ही विशेष रूप से जनजातीय कार्य विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग को 50 दिवस से लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए गए।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभागों को समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी जनपद पंचायत सीईओ को सचिवों का प्रशिक्षण आयोजित कर लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ई-केवाईसी कार्यों की जनपदवार समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी जनपद सीईओ को सख्त निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से प्रगति सुनिश्चित करें, अन्यथा उचित कार्रवाई की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर माथुर ने निर्देशित किया कि कार्य पूर्ण होने के बाद पोर्टल पर अपलोडिंग के साथ-साथ उनका भौतिक सत्यापन भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य 30 जून तक पूर्ण किए जाएं। जिले की बावड़ियों की साफ-सफाई एवं गाद निकासी का कार्य 30 मई तक पूर्ण करने तथा अभियान अंतर्गत सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित करने के निर्देश भी दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा तैयार की गई पोषण वाटिकाओं का आंकड़ों के साथ जमीनी स्तर पर सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए गए। कलेक्टर माथुर ने सभी सीडीपीओ को आंगनवाड़ियों में भोजन एवं नाश्ता निर्धारित मेन्यू अनुसार समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि विगत सप्ताह अनुविभागीय अधिकारियों द्वारा किए गए

मातृ वय वंदना योजना एवं संबल योजना की समीक्षा की

निरीक्षण में कई आंगनवाड़ियों की व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं पाई गई थीं। इस पर कलेक्टर श्रीमती माथुर ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को संबंधित सीडीपीओ पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आंगनवाड़ियों में अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रस्ताव प्रस्तुत करें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को जिले के सभी अस्पतालों में पेयजल के नमूने लेकर गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मातृ वय वंदना योजना एवं संबल योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने श्रम विभाग को प्रकरणों का त्वरित निराकरण कर प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती माथुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अपील का उल्लेख करते हुए सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को शासकीय वाहनों का सीमित उपयोग करने, भ्रमण के दौरान पूल वाहन का उपयोग करने, वर्चुअल मीटिंग एवं ई-ऑफिस को प्राथमिकता देने तथा अनावश्यक रूप से जिला मुख्यालय आने-जाने में डीजल की बचत करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ संघमित्रा गौतम, संयुक्त कलेक्टर श्री मनोज गरवाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री निधि मिश्रा, सुश्री दीपिका पाटीदार आदि उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने निर्माणाधीन एसटीपी का किया निरीक्षण

कार्य समय सीमा में एवं तेजी से करने के निर्देश

इंदौर. नगर निगम आयुक्त ने आज शहर में निर्माणाधीन एसटीपी प्लांट, ड्रेनेज लाइन और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने एसटीपी प्लांट के काम और ड्रेनेज लाइन डालने के कार्य में गति बढ़ाने के निर्देश दिए.

निगमायुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा अमृत योजना पैकेज 2.0 के तहत निर्माण कार्यों का निरीक्षण भी किया गया. आयुक्त ने 107 करोड़ के लागत से टिगरिया बादशाह में निर्माणाधीन 40 एमएलडी एसटीपी प्लांट का जायजा लिया. साथ ही टिगरिया रोड पर ड्रेनेज लाइन कार्य का निरीक्षण भी किया गया. इस दौरान आयुक्त ने निर्माण एजेंसी को काम तेजी से करने के निर्देश दिए. ध्यान रहे कि अमृत 2.0 योजना में नगर निगम द्वारा आईडीए की योजना 166 में 40 एमएलडी एसटीपी निर्माण कार्य किया जा रहा है. साथ ही गांधी नगर, नंद बाग, छोटा बांगड़ादा, टिगरिया क्षेत्र में सीवर लाइन डालने का काम चल रहा है. उक्त एसटीपी का ट्रीटेड वाटर टिगरिया बादशाह तालाब में छोड़ा जाना प्रस्तावित है. निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री अश्विन जनवदे, सहायक यंत्री आकाश जैन, कंसल्टेंट, कार्य करने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया

आयुक्त ने आज छावनी, मधुमिलन चौराहा, आर एन टी मार्ग, राजकुमार ब्रिज, मरीमाता चौराहा किला मैदान रोड ,खड़ा गणपति रोड ,संगम नगर, कुशवाह नगर, बांगड़दा रोड,टिगरिया बादशाह, रिवर साइड रोड,किशन पूरा, छतरी आदि क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया. निगम स्वच्छता अभियान में लगे अधिकारियों को सफाई पर विशेष ध्यान रखने के आदेश दिए. आयुक्त ने किशनपुरा छतरी का भी निरीक्षण किया. छतरी की सफाई पर संतोष व्यक्त किया.

जागरूकता डेंगू से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम

इंदौर. राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर प्रसिद्ध होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. ए.के. द्विवेदी ने आमजन से डेंगू के प्रति जागरूक रहने, समय पर बचाव के उपाय अपनाने तथा रोग की रोकथाम एवं उपचार हेतु होम्योपैथी चिकित्सा का सहयोग लेने की अपील की.

डॉ. द्विवेदी ने कहा कि डेंगू एक गंभीर वायरल बीमारी है, लेकिन समय रहते सावधानी और उचित चिकित्सा से इसके दुष्प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है. डॉ. द्विवेदी ने लोगों को सलाह दी कि घरों के आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर, गमले, टंकियों और खुले पात्रों की नियमित सफाई करें।

परम फाउंडेशन द्वारा युवतियों के लिए रोजगारोन्मुखी तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम

आलीराजपुर । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संघमित्रा गौतम ने बताया कि परम फाउंडेशन द्वारा जनजातीय कार्य विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग एवं पैन आईआईटी एलुमनी फाउंडेशन के सहयोग से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं इच्छुक युवतियों के लिए विशेष रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत चयनित छात्राओं को शत-प्रतिशत रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 17 से 27 वर्ष आयु वर्ग की युवतियों को विभिन्न तकनीकी ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। मैन्युफैक्चरिंग टेक्निशियन ट्रेड हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण तथा नर्सिंग ट्रेड हेतु 12वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं के लिए कॉलेज हॉस्टल में रहने एवं भोजन की व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी।

जिला प्रशासन द्वारा विकासखंड स्तर पर कम से कम 120 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की इच्छुक युवतियों का पंजीयन कराने एवं जनपद स्तर पर परीक्षा आयोजन में सहयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

मैन्युफैक्चरिंग टेक्निशियन कोर्स आई.टी.आई. कौशल कॉलेज सोण्डवा, जिला आलीराजपुर में संचालित किया जाएगा। कोर्स की अवधि 1 वर्ष निर्धारित की गई है। इसमें प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं कक्षा उत्तीर्ण रखी गई है।प्रवेश एवं पंजीयन संबंधी जनकारी के लिए पंजीयन लिंक *paniitalumnifoundation.org* अधिक जानकारी के लिए इच्छुक छात्राएं परम फाउंडेशन के सदस्यों संपर्क नंबर: 9109105145, 9109105141 से संपर्क कर सकती हैं।

हाई ब्लड प्रेशर होने पर गंभीर बीमारियों का खतरा

इंदौर. आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली और बढ़ते तनाव के बीच हाई ब्लड प्रेशर यानी हाइपरटेंशन तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है. इसे साइलेंट किलर कहा जाता है, क्योंकि यह बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर को अंदर ही अंदर नुकसान पहुंचाता रहता है. लंबे समय तक अनियंत्रित रहने पर यह

दिल, किडनी, दिमाग और आंखों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है.

यह बात कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी अस्पताल के सेन्टर फॉर कार्डियक साइंस के डायरेक्टर डॉ. अखिलेश कुमार जैन ने कही. हाई ब्लड प्रेशर के संबंध में डॉ. जैन ने बताया कि जब शरीर की धमनियों में रक्त का दबाव लगातार सामान्य स्तर 120/80 से ऊपर बना रहता है, तो उसे हाइपरटेंशन या उच्च रक्तचाप कहा जाता है. समय रहते नियंत्रण न किया जाए तो यह हृदय को कमजोर बना सकता है. इससे हृदय रोग और हार्ट अटैक, किडनी पर असर, स्ट्रोक का खतरा और. आंखों की रोशनी पर प्रभाव पड़ता है. हाइपरटेंशन की सबसे बड़ी समस्या यह है.

पेटलावद के करवड़ क्षेत्र में अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी

हत्या या आत्महत्या पुलिस जांच के बाद ही होगा खुलासा

पेटलावद - थाना क्षेत्र के ग्राम करवड़ पुलिस चौकी अंतर्गत जीवरी नाका मोर, चवरापाड़ा के पगडंडी वाले रास्ते, पर सोमवार को एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला है इससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान शांतिलाल पारगी निवासी चंवरापाड़ा मोर पंचायत, के रूप में हुई है। शव के चेहरे पर गहरे चोट

के निशान मिले हैं, जिससे पुलिस को धारदार वस्तु या पत्थर से हमले की आशंका है। प्रथम दृष्टया मामले को हत्या का माना जा रहा है।पुलिस की कार्रवाई:ग्राम करवड़ पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस सभी पहलुओं (हत्या, आपसी विवाद आदि) पर जांच कर रही है।

एक नजर में — **मंडी में आए पहले ढेर की बोली 12,100 रुपये**

आलीराजपुर मंडी में कच्चे आमों की खुली नीलामी का किया शुभारंभ

आलीराजपुर । कृषि उपज मंडी आलीराजपुर में आज से कच्चे आमों की खुली नीलामी का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष हजरी बाई खरत एवं कलेक्टर नीतू माथुर की उपस्थिति में हुआ। शुभारंभ से अतिथियों ने मंडी प्रांगण स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद किसान को तिलक लगाकर एवं फूलमाला पहनाकर आम की खुली नीलामी प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ किया गया।

मंडी प्रबंधन ने बताया कि जिला पंचायत अध्यक्ष खरत एवं कलेक्टर माथुर की उपस्थिति में आज की नीलामी में आम के पहले ढेर की बोली 12 हजार 100 रुपये में लगी। उन्होंने बताया कि आज मंडी में लगभग 250 किसान पहुंचे थे। मंडी में जिले सहित अन्य जिलों से भी व्यापारी आम खरीदने आए थे। किसानों द्वारा हापुस, देसी आम, लगंडा सहित विभिन्न किस्मों के आम ट्रैक्टर एवं अन्य वाहनों से मंडी में लाए गए। आलीराजपुर मंडी में आम की खुली नीलामी की जाती है, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त होता है। नीलामी में शामिल किसानों ने बताया कि वे कई वर्षों से यहां आम बेचने आ रहे हैं।

उद्यानिकी विभाग को निर्देश दिए

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती माथुर ने कहा कि जिले की प्रमुख उद्यानिकी फसल आम है,जिसे किसान मंडी में नीलामी के माध्यम से विक्रय करते हैं। उन्होंने किसानों को मंडी में उनकी फसल का उचित मूल्य मिले इसके लिए कृषि एवं उद्यानिकी विभाग अधिकारी को निर्देशित किया है।इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री निधि मिश्रा, उद्यानिकी विभाग श्री कैलाश चौहान, आत्मा परियोजना दादू मोरे आदि थे।